Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding the centre for online exams for Railway vacancies.

श्रीमती रंजीत रंजन :सॉरी मैम । 9 अगस्त से रेलवे की परीक्षा शुरू हो रही है, यह असिस्टेंट लोको पायलट और टैक्नीशियन की परीक्षा है। जिसमें पदों की संख्या 26502 है और 47 लाख छात्र इसमें भाग ले रहे हैं। रेल मंत्रालय की तरफ से जो दावा किया जा रहा है, उसमें दिखाया जा रहा है कि ऑनलाइन परीक्षा है और इसमें तकरीबन 1 लाख पदों की बहाली होगी और दो करोड़ छात्र इसमें हिस्सा ले रहे हैं। यह मीडिया में भी दिखाया जा रहा है। इसमें मिनिस्टर साहब को यह क्लियर करना चाहिए। अब जब छात्रों ने 9 अगस्त की परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड डाउनलोड किए तो पता चला कि ऑनलाइन एग्जाम है, लेकिन किसी का सैंटर बंगलुरू है और किसी का चेन्नई है। बिहार वालों का बंगलुरू है, किसी का मोहाली है। पटना के छात्र जबलपुर जा रहे हैं, कटिहार के मोहाली जा रहे हैं, आरा के हैदराबाद जा रहे हैं और बक्सर के चेन्नई जा रहे हैं। राजस्थान और उत्तर प्रदेश के छात्रों के सामने भी यही चुनौती है। चूंकि बिहार के मैसेज बहुत ज्यादा आए हैं, इसलिए हमें वहां के लोगों के बारे में ज्यादा पता चला है। कईयों ने रेल मंत्री जी को ट्वीट करके रोते हुए कहा है कि आप इस तरह से न करें, क्योंकि हमारे एग्जाम्स छूट जाएंगे।

महोदया, पहली बात यह है कि इसमें पांच-छः हजार रुपये का खर्चा है, दूसरा टिकट वेटिंग में मिल रही है, तीसरा ट्रेनें बहुत लेट हैं और 9 अगस्त को एग्जाम है। इसमें युवाओं के तकरीबन पांच-छः हजार रुपये खर्च होंगे। क्योंकि इतनी दूर जाना है तो बच्चे चार दिन पहले जाएंगे। वहां पर होटल में रहने का किराया आदि में बहुत पैसे खर्च होंगे। कहने को कह सकते हैं कि इसमें कोई फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन उनमें कोई चौकीदार का बेटा है, कोई ठेला चलाने वाले का बेटा है।

इसलिए हमारी रिक्वैस्ट है कि इसमें लगभग 1500 से 3000 हजार रुपये सिर्फ टिकट पर खर्चा आ रहा है। सवाल यह उठता है कि ऑनलाइन परीक्षा में जब कंप्यूटर पर ही परीक्षा देनी है तो आसपास के केन्द्रों में इसकी व्यवस्था क्यों नहीं की गई। लाखों युवाओं ने चार-चार साल तक एग्जाम्स की तैयारी की है और यह उनके साथ बहुत नाइंसाफी है, क्योंकि 9 अगस्त के बाद तीसरे दिन ही बैंक की परीक्षा भी है तो युवाओं के साथ इतना बड़ा अन्याय क्यों हो रहा है। ऑनलाइन परीक्षा के नाम पर आप छात्रों को बिहार से हैदराबाद, मोहाली, चेन्नई आदि जगहों पर क्यों भेज रहे हैं? यह किस तरह का प्रोपेगंडा है, मैं समझती हूं कि इसे सरकार को निश्चित रूप से गम्भीरता से लेना चाहिए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: श्रीमती सुप्रिया सुले को श्रीमती रंजीत रंजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री कोडिकुन्नील सुरेश – उपस्थित नहीं।

श्रीमती वी. सत्यबामा।